Bharat Temples

मन तड़पत हरि दरशन को आज

मन तड़पत हरि दरशन को आज ॥
मोरे तुम बिन बिगड़े सकल काज ।
आ विनती करत हूँ रखियो लाज ॥

तुम्हरे द्वार का मैं हूँ जोगी
मेरी ओर नजर कब होगी
सुन मेरे व्याकुल मन की बात ॥

बिन गुरू ग्यान कहाँ से पाऊं
दीजो दान हरि गुन गाऊं
सब गुनी जन पे तुम्हारा राज ॥

मुरली मनोहर आस न तोड़ो
दु :ख भंजन मेरा साथ न छोड़ो
मोहे दरशन भिक्षा दे दो आज ॥

द्वारा : योगेश तिवारी है

Source:
https://www.bharattemples.com/man-tadpe-hari-darshan-ko-aaj-more-tum-bin-bidge-sakl-kaaj/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw